

प्रधानमंत्री ने राजस्थान में सौर ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के बरसगिसर में NLC (नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन लिमिटेड) इंडिया लिमिटेड की 300 मेगावाट की [सौर ऊर्जा](#) परियोजना की आधारशिला रखी।

- NLC इंडिया कोयला मंत्रालय के अधीन एक नवरत्न कंपनी है।

मुख्य बद्दि:

- NLC इंडिया की सौर परियोजना की कुल लागत 1,756 करोड़ रुपए अनुमानित है और इसे सितंबर 2024 में चालू किया जाना है।
- यह परियोजना रणनीतिक रूप से मौजूदा बरसगिसर थर्मल पावर स्टेशन के पास स्थिति है जो मौजूदा नेटवर्क और सामान्य बुनियादी सुविधाओं के उपयोग के माध्यम से ऊर्जा निकासी में लाभ प्रदान करता है।
 - यह परियोजना न केवल क्षेत्र को हरति और सस्ती ऊर्जा देगी बल्कि युवाओं को रोजगार के बेहतरीन अवसर भी प्रदान करेगी।

नवरत्न कंपनी

- केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (CPSE) को 3 श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है- महारत्न, नवरत्न और मनीरत्न।
 - वर्ष 2023 तक, 13 महारत्न, 16 नवरत्न और 68 मनीरत्न CPSE हैं।
- भारत में नवरत्न कंपनियाँ CPSE का एक समूह है जसिने वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिये वित्तीय स्वायत्तता और लचीलेपन को बढ़ाया है। उन्हें कुछ विशेषाधिकार दिये गए हैं, जैसे स्पष्ट सरकारी मंजूरी के बिना 1,000 करोड़ रुपए तक का नविश।
- नवरत्न का दर्जा पहली बार वर्ष 1997 में पेश किया गया था।
 - नवरत्न का दर्जा हासिल करने के लिये एक फर्म को शुरू में मनीरत्न का दर्जा प्राप्त होना चाहिये, साथ ही छह प्रदर्शन मानदंडों के अनुसार 60 या उससे अधिक (100 में से) का स्कोर प्राप्त होना चाहिये, जसिमें मैट्रिक्स जैसे नेट प्रॉफिट से लेकर नेट वर्थ, प्रति शेयर आय और अंतर-क्षेत्रीय प्रदर्शन शामिल हैं।